A-0388

Total Pages : 4 **Roll No. ----------**

BAJY-302

मेलापक एवं विवाह मुहूर्त्त विचार

Bachelor of Arts (BA)

3rd Year, Examination 2024 (Dec.)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 70

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

P.T.O.

खण्ड–'क'

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x19=38]

Q.1. मेलापक विधि का विस्तृत विवेचन कीजिए।

Q.2. विवाह प्रयोजन का विस्तृत वर्णन कीजिए।

Q.3. ग्रह मैत्री का प्रतिपादन कीजिए।

Q.4. द्विरागमन मुहूर्त्त का विस्तृत निरूपण कीजिए।

Q.5. विवाह मुहूर्त्त के दश दोषों का नामोल्लेख करते हुये द्विरागमन में शुक्र विचार का प्रतिपादन कीजिए।

खण्ड–'ख'

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x8=32]

Q.1. भकूट दोष को बताते हुये दोषों के परिहार का निरूपण कीजिए।

Q.2. वैधव्य एवं विधुर योगों के परिहार का प्रतिपादन कीजिए।

Q.3. कन्या वरण मुहूर्त्त को लिखिए।

Q.4. युति दोष विचार का निरूपण कीजिए।

Q.5. विवाह मुहूर्त्त का निरूपण कीजिए।

Q.6. वधू प्रवेश मुहूर्त्त का प्रतिपादन कीजिए।

Q.7. विवाह के समय वर एवं कन्या की त्रिबल शुद्धि के सिद्धान्तों का निरूपण कीजिए।

Q.8. कन्या का पितृ गृह में निवास के नियमों का प्रतिपादन कीजिए।

****